

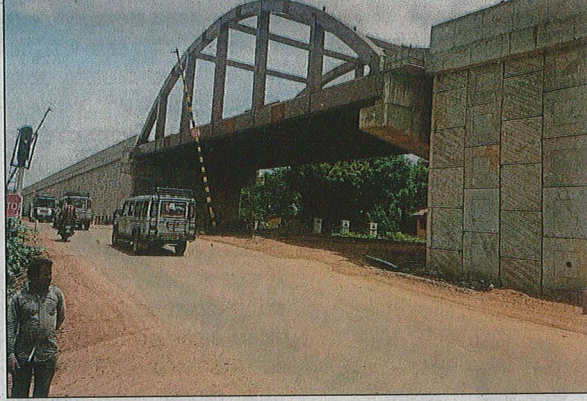
ಭರದಿಂದ ಸಾಗಿರುವ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ-ಗದಗ ರಸ್ತೆಯಲ್ಲಿನ ರೈಲ್ವೆ ಮೇಲ್ವೇತುವೆ ಕಾಮಗಾರಿ

# ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ ತಿಂಗಳಿನಲ್ಲಿ ಸಂಚಾರಕ್ಕೆ ಮುಕ್ತ

• ಬಸ್ಸವರಾಜ ಹವಾಲಾರ್

ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ: ಇಲ್ಲಿನ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ-ಗದಗ ರಸ್ತೆಯಲ್ಲಿ ಸಂಚರಿಸುವ ಸಾವಿರಾರು ವಾಹನಗಳು ನಗರದ ಹೊರವಲಯದಲ್ಲಿದ್ದ ಮಾನವ ಸಹಿತ ರೈಲ್ವೆ ಕ್ರಾಸಿಂಗ್ ದಾಟಲು ನಿತ್ಯ ಹಲವಾರು ಬಾರಿ ರೈಲು ದಾಟುವುದನ್ನು ಕಾದು ನಿಲ್ಲಬೇಕಾಗುತ್ತಿತ್ತು. ಕಾಯುವಿಕೆಗೆ ಶೀಘ್ರದಲ್ಲಿಯೇ ಮುಕ್ತಿ ದೊರೆಯಲಿದೆ. ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ-ಗದಗ ರಸ್ತೆಯಲ್ಲಿ ಬಸ್, ಲಾರಿ, ದ್ವಿಚಕ್ರ ವಾಹನ ಸೇರಿದಂತೆ ನಿತ್ಯ ಸಾವಿರಾರು ವಾಹನಗಳು ಸಂಚರಿಸುತ್ತವೆ. ರೈಲ್ವೆ ಮಾರ್ಗ ದಾಟಲು ಮೇಲ್ವೇತುವೆ ಇಲ್ಲದ್ದರಿಂದ ರೈಲುಗಳು ಬಂದಾಗಲೆಲ್ಲ ಗೇಟ್ ಹಾಕಲಾಗುತ್ತಿತ್ತು. ಆಗ ನಾಲ್ಕಾರು ನಿಮಿಷ ಕಾದು ನಿಲ್ಲಬೇಕಾಗುತ್ತಿತ್ತು.

ನಿತ್ಯ 50ಕ್ಕೂ ಹೆಚ್ಚು ರೈಲುಗಳು ಸಂಚರಿಸುತ್ತವೆ. ಹಾಗಾಗಿ ಗಂಟೆಗೆ ಒಂದರಂತೆ ಬಾರಿ ಗೇಟ್ ಹಾಕುತ್ತಲೇ ಇರುತ್ತಾರೆ. ಕೆಲವೊಮ್ಮೆ ಎರಡು ರೈಲುಗಳು ಏಕಕಾಲಕ್ಕೆ ಸಂಚರಿಸಿದರೆ ಕಾಯುವ ಅವಧಿ 10 ನಿಮಿಷ ದಾಟುತ್ತಿದ್ದು ಇದೆ. ರೋಗಿಗಳನ್ನು ಆಸ್ಪತ್ರೆಗೆ ಕೊಂಡೊ



ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ-ಗದಗ ರಸ್ತೆಯಲ್ಲಿ ರೈಲ್ವೆ ಮಾರ್ಗಕ್ಕೆ ನಿರ್ಮಾಣಗೊಂಡಿರುವ ರೈಲ್ವೆ ಮೇಲ್ವೇತುವೆ

ಯುತ್ತಿದ್ದ ಅಂಬುಲೆನ್ಸ್‌ಗಳಿಗೆ, ಕಚೇರಿಗಳಿಗೆ ತೆರಳುತ್ತಿದ್ದವರು, ವ್ಯಾಪಾರಸ್ಥರು ಶಾಲಾ-ಕಾಲೇಜುಗಳಿಗೆ ಅರ್ಜಿಗಳಿಗೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗಿದ್ದ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳೂ

ಯುತ್ತಿದ್ದ ಅಂಬುಲೆನ್ಸ್‌ಗಳಿಗೆ, ಕಚೇರಿಗಳಿಗೆ ತೆರಳುತ್ತಿದ್ದವರು, ವ್ಯಾಪಾರಸ್ಥರು ಶಾಲಾ-ಕಾಲೇಜುಗಳಿಗೆ ಅರ್ಜಿಗಳಿಗೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗಿದ್ದ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳೂ

ಅಲ್ಪ ವಿಳಂಬವಾದರೂ ಮೇಲ್ವೇತುವೆ ಕಾಮಗಾರಿ ಮುಗಿಯುವ ಹಂತದಲ್ಲಿದೆ. ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್‌ನಲ್ಲಿ ಸಂಚಾರಕ್ಕೆ ಮುಕ್ತಗೊಳಿಸಲಾಗುವುದು ಈ ವಿಜಯಾ ಡಿಜಿಎಂ, ನೈರುತ್ಯ ರೈಲ್ವೆ ವಲಯ

ಸೇರಿದಂತೆ ಹಲವಾರು ಜನರು ರೈಲ್ವೆ ಹಳಿ ದಾಟಲು ಕಾಯಬೇಕಾಗುತ್ತಿತ್ತು. ರೈಲ್ವೆ ಗೇಟ್ ಹಾಕಿದಾಗ ಅರ್ಜಿಗಳಿಗೆ ಇರುವ ದ್ವಿಚಕ್ರ ವಾಹನ ಚಾಲಕರು ಗೇಟ್ ಕೆಳಗಡೆ, ಬದಿಯಿಂದ ಮುಗಿಕೊಂಡು ಹೋಗಲು ಯತ್ನಿಸುತ್ತಿದ್ದರು. ಕೆಲವರು ನಡೆದುಕೊಂಡೇ ದಾಟಿ ಬಿಡುತ್ತಿದ್ದರು. ಆಗ ಅಪಘಾತ ನಡೆದದ್ದೂ ಇದೆ.

ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ-ಗದಗ ರಸ್ತೆಯ ಕ್ರಾಸಿಂಗ್‌ಗೆ ಮೇಲ್ವೇತುವೆ ಮಾಡಬೇಕು ಎಂಬ ಕೂಗು ಹಲವಾರು ವರ್ಷಗಳಿಂದ ಕೇಳಿ ಬರುತ್ತಲೇ ಇತ್ತು. ವಿವಿಧ ಸಂಘಟನೆ

ಗಳೂ ಆಗ್ರಹ ಮಾಡುತ್ತಲೇ ಬಂದಿದ್ದವು. ಕೊನೆಗೂ ಆ ಬೇಡಿಕೆ ಈಡೇರಿದ್ದು, ಮೇಲ್ವೇತುವೆ ಕಾಮಗಾರಿ ಭರದಿಂದ ಸಾಗಿದೆ. ನೈರುತ್ಯ ರೈಲ್ವೆ ವಲಯದ ವತಿಯಿಂದ 20.21 ಕೋಟಿ ವೆಚ್ಚದಲ್ಲಿ ಮೇಲು ಸೇತುವೆ ನಿರ್ಮಾಣ ಕಾಮಗಾರಿ ಕೈಗೊಳ್ಳಲಾಗಿದ್ದು, ಕೊನೆಯ ಹಂತದ ಕಾಮಗಾರಿ ನಡೆದಿದೆ ಎಂದು ನೈರುತ್ಯ ರೈಲ್ವೆ ವಲಯದ ಡಿಜಿಎಂ ಈ. ವಿಜಯಾ ಹೇಳಿದರು.

ಮೇಲುಗಡೆ ರಸ್ತೆ ನಿರ್ಮಾಣವಾಗ ಬೇಕಿದೆ. ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ ತಿಂಗಳಿನಲ್ಲಿ ವಾಹನಗಳ ಸಂಚಾರಕ್ಕೆ ಮುಕ್ತವಾಗಲಿದೆ ಎನ್ನುತ್ತಾರೆ.

'ಮೇಲ್ವೇತುವೆ ನಿರ್ಮಾಣ ಮಾಡುತ್ತಿರುವುದು ಖುಷಿ ತಂದಿದೆ. ಇನ್ನು ಮುಂದೆ ಕ್ರಾಸಿಂಗ್‌ಗಾಗಿ ಕಾಯಬೇಕಿಲ್ಲ. ನಮ್ಮ ಪಾಡಿಗೆ ನಾವು ಹೊರಟು ಹೋಗಬಹುದು' ಎನ್ನುತ್ತಾರೆ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿಯ ಆನಂದನಗರ ನಿವಾಸಿ ಕಲ್ಲೇಶ ಪೂಜಾರ.

on the way of  
Hubli Gadag,  
ROB will be  
operative from  
Sept-month.



## मैसूरु-बेंगलूरु रेल लाइन के दोहरीकरण का कार्य पूर्ण

मैसूरु। लम्बी प्रतीक्षा के पश्चात आखिरकार मैसूरु-बेंगलूरु के बीच रेल लाइन के दोहरीकरण का कार्य आधिकारिक तौर पर पूरा हो गया है और जल्द ही इस मार्ग पर ट्रेनों के संचालन के लिए निरीक्षण किया जायेगा। दक्षिण पश्चिम रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि 94 किलोमीटर लम्बे मैसूरु-रामनगरम दोहरीकरण-सह-विद्युतीकरण कार्य जो कि 139 किलोमीटर मैसूरु-बेंगलूरु रेल लाइन दोहरीकरण परियोजना का हिस्सा है, को फरवरी 2007 में प्रशासनिक स्वीकृति मिली थी।

रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) 15 जुलाई को श्रीरंगपट्टन से पांडवपुरा के पास कावेरी दक्षिण पुल वाले 1.5 किलोमीटर लंबे मार्ग पर गति परीक्षण और निरीक्षण करेंगे। रेलवे सुरक्षा आयुक्त के निरीक्षण के बाद

मंजूरी मिलने पर ही इस लाइन पर ट्रेन का संचालन किया जाएगा। इसी प्रकार मैसूरु और बेंगलूरु के बीच रेल ट्रैक के दोहरीकरण कार्य को भी आधिकारिक तौर पर

**वर्ष 2014 में ट्रैक दोहरीकरण कार्य का 99 प्रतिशत पूरा हो गया था। इस परियोजना की वजह से ट्रैक की क्षमता में वृद्धि और नई रेलगाड़ियों की शुरुआत हुई जो कि एकल ट्रैक मार्ग पर संभव नहीं था।**

समापन का संकेत दिया जाएगा।

टीपू सुल्तान के श्रीरंगपट्टनम स्थित शस्त्रागार को नए स्थान पर ले जाया गया ताकि उसके स्थान पर रेल की पटरी बिछाने का काम पूरा किया जा सके। किसी विरासत संपत्ति को एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर ले जाना रेलवे का अपनी तरह का पहला कदम है।

मैसूरु के पास पटरी बिछाने के लिए एक मंजिला इमारत को सफलतापूर्वक एक स्थान से हटाकर पास के एक नए स्थान पर विशेषज्ञों की मदद से ले जाया गया

था। शस्त्रागार की यह इमारत बेंगलूरु और मैसूरु के बीच प्रस्तावित ट्रैक दोहरीकरण के मध्य आ रही थी। हालांकि रेलवे के अधिकारियों ने इसका परीक्षण करने के लिए 'रैंकिंग रोल' का आयोजन किया है, लेकिन सीआरएस द्वारा निरीक्षण के बाद ही ट्रेन चलाने के लिए ट्रैक को मंजूरी दी जाएगी और उनकी

अंतिम मंजूरी होगी। विलम्ब के सम्बन्ध में एक अधिकारी ने कहा कि वर्ष 2014 में ट्रैक दोहरीकरण कार्य का 99 प्रतिशत पूरा हो गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस परियोजना की वजह से ट्रैक की क्षमता में वृद्धि और नई रेलगाड़ियों की शुरुआत हुई जो कि एकल ट्रैक मार्ग पर संभव नहीं था। हालांकि, मैसूरु-नगनाहल्ली सेक्शन पर गति प्रतिबंध को हटाने से यात्रा का समय सात मिनट तक कम हो जाएगा। रामनगरम से येलियूर का सीआरएस निरीक्षण 5 अप्रैल को पूरा हुआ था। अधिकारियों का कहना है कि केवल मैसूरु स्टेशन और कुछ हिस्सों के साथ येलियूर के पास कुछ कार्य लंबित था। सूत्रों ने कहा कि मैसूरु तक विद्युत आपूर्ति येलियूर के विद्युत उप-स्टेशन से पूरी होगी।

दि हिन्दु/मंगलूर  
THE HINDU/MANGALORE  
11 JUL 2017

### Shivamogga express from Yeshwantpur

BENGALURU

The terminal of Krantiveera Sangolli Rayanna (KSR) Bengaluru to Shivamogga Town Tri-Weekly Express (16581 and 16582) has been changed to Yeshwantpur with effect from July 15. According to a South Western Railway release, the train will depart from Yeshwantpur at 11.40 p.m. every Saturday, Monday and Wednesday. It will reach Shivamogga at 6 a.m. the next day. With effect from July 16, the train will depart Shivamogga at 11.45 p.m. every Sunday, Tuesday and Thursday to reach Yeshwantpur at 5.45 a.m. the next day.



# कोशिशें जारी... दोबारा शुरू होगा गोल्डन चैरियट का सफर?

**बेंगलूर।** कर्नाटक के पर्यटन के इतिहास में गोल्डन चैरियट की सेवा एक स्वर्णिम इतिहास रच चुकी है। इस देश ही नहीं, विदेशों के पर्यटकों के बीच भी जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल हुई थी। यह दक्षिण की शान के रूप में देखी जाने लगी थी। वहीं, इस वर्ष फरवरी में इसकी सेवा हमेशा के लिए बंद करने का निर्णय ले लिया गया। यह बात न तो कर्नाटक घूमने के लिए आनेवाले भारतीय पर्यटकों को समझ में आ रही है और न ही विदेशी पर्यटकों को।

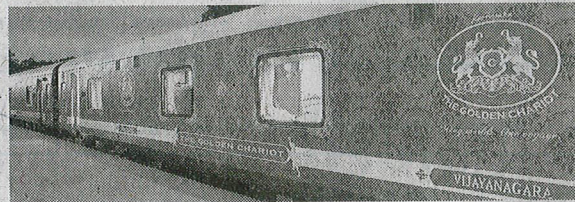
नतीजा यह है कि दक्षिण रेलवे और कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम (केएसटीडीसी) पर गोल्डन चैरियट ट्रेन को दोबारा शुरू करने का भारी दबाव आ रहा है। केएसटीडीसी अधिकारियों के मुताबिक, सेल्स एजेंट्स दुनिया भर से इस शानदार ट्रेन सेवा की दोबारा शुरुआत करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, दक्षिण रेलवे का कहना है कि इस ट्रेन के लिए उसके पास समय की दिक्कत है। अब केएसटीडीसी ने रेलवे मंत्रालय से सीधे ही इस बारे में बातचीत कर गोल्डन चैरियट के गोल्डन डेज फिर से तोहफे के तौर पर पर्यटकों को लौटाने का आग्रह करने की योजना बना रहे हैं।

## आखिर क्या है समस्या?

गोल्डन चैरियट की सेवा जारी रखने में उस समय कठिनाइयाँ उत्पन्न हो गईं, जब दक्षिण भारत की एकमात्र विलासितापूर्ण पर्यटन सेवा देने वाली ट्रेन को किसी एक स्टेशन पर रात भर ठहराने में दिक्कत महसूस की जाने लगी। इस ट्रेन को विभिन्न व्यस्त स्टेशनों पर तब तक खड़ा रखना पड़ता था, जब तक

सड़कों के रास्ते किसी स्थान पर घूमने निकले पर्यटक लौटकर वापस ट्रेन पर नहीं आ जाते। रात ही नहीं, दिन के व्यस्त समयों पर भी इसे पटरियों पर खड़ा रखना पड़ता था। केएसटीडीसी को रेलवे अधिकारियों से संचालन संबंधी इतनी शिकायतें मिलीं कि इस वर्ष 27 फरवरी को यह ट्रेन बंद करने का निर्णय लेना पड़ा।

## अब दूध में मिलाना होगा पानी?



गौरतलब है कि पूर्व में अक्टूबर से मार्च तक गोल्डन चैरियट के पर्यटकों को 11 ट्रिप्स का मौका मिलता था। इनमें से हर सदर्न स्प्लेंडर कहा जाता था। इसमें पर्यटकों को बेहद शानदार माहौल में कर्नाटक और गोवा के सबसे आकर्षक स्थानों पर घूमने-फिरने की सहूलियत दी जाती थी। इसके लिए पर्यटकों को अपने पसंदीदा स्थानों पर जी-भर कर घूमने और उस स्थान की यादों में अपने दिलों और कैमरों में संजो लेने का पूरा मौका दिया जाता था।

वहीं, स्टेशनों पर इसे खड़ा रखने की दिक्कत के मद्देनजर इसमें बदलाव की बात सोची जा रही है। अगर सूत्रों की मानें तो रेलवे अधिकारियों को मनाने के लिए 11 ट्रिप्स में सिर्फ चार सदर्न स्प्लेंडर ट्रिप्स होंगे।

## महाराजा एक्सप्रेस की भी हुई दुर्गति

जहां केएसटीडीसी के अधिकारी गोल्डन चैरियट की सेवाएं फिर से शुरू करने पर विचार कर रहे हैं, वहीं मुंबई और केरल के बीच प्रस्तावित इसी प्रकार की शानदार रेल पर्यटन सेवा महाराज एक्सप्रेस की भी दुर्गति हो गई है। यह ट्रेन 23 जून को मुंबई से चलकर पर्यटकों सहित 1 जुलाई को केरल के तिरुवनंतपुरम पहुंचने वाली

थी। वहीं, भारतीय रेलवे की पर्यटन भुजा आईआरसीटीसी ने इसका दौरा ही रद्द कर दिया। इसका कहना है कि ट्रेन की यात्रा के लिए पर्याप्त बुकिंग नहीं होने से यह निर्णय लेना पड़ा। यह ट्रेन महाराष्ट्र, गोवा, केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के प्रमुख पर्यटक आकर्षण वाले स्थानों का भ्रमण करवाने वाली थी। इसके ट्रिप्स को सदर्न ज्वेल्स का नाम दिया गया था।

## उम्मीदें अब भी कायम

गोल्डन चैरियट जैसी लोकप्रिय सेवा बंद करने के बावजूद रेलवे अधिकारी दावा करते हैं कि दक्षिण भारतीय राज्यों को अभी अपनी उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए। पर्यटकों के बीच किसी नए पर्यटन क्षेत्र को लोकप्रिय बनाने के लिए कुछ समय स्वाभाविक रूप से लगता है।



# Bar owners seek govt intervention over ban on liquor along highways

**BENGALURU:** More than 500 owners and employees of bars across the state took out a silent march from Krantiveera Sangolli Rayanna Railway Station to Freedom Park, demanding that the state government emulate Punjab and Himachal Pradesh, which have amended the act to allow pubs and bars to function 500 metres from highways.

The march was organised by the Federation of Wine Merchants' Association (FWMA) on Monday afternoon.

With a ban on the sale of liquor within 500 metres of national highways, most bars and pubs on MG Road, in Indiranagar and on Church Street shut shop and have been incurring losses. After the Supreme Court ordered on July 4 that national highways within the city could be denotified, the Punjab and Himachal Pradesh governments amended the existing excise rules, the association said.

Guruswamy, chairman, FWMA, told reporters, "With the announcement of the liquor ban, I feel I have lost something close to my heart. The pain caused by the ban is

unbearable. Our only appeal to the Chief Minister (Siddaramaiah) is to grant us permission to carry on our business like we were doing before."

M Meharwade, treasurer, FWMA said the protest has been staged to save the livelihood of 6,000 people associated with the industry. "Around 6,000 people are dependent on this industry in Karnataka. It breaks my heart

to see the suffering of these people."

Meanwhile, Lokesh of Bangalore District Division, FWMA, said, "We have been appealing to the government to make amendments for the past three months. Our industry generates revenues of around Rs 18,000 crore. We have contributed thousands of crores to the government in taxes. We are proud to be

wine merchants. This ban is causing losses of around Rs 15 crore a day."

Later, representatives of the federation sought Siddaramaiah's intervention when they met him and 25 MLAs. The chief minister assured them that the government will take a call on the issue based on the outcome of the Supreme Court's decision on Tuesday.

**DH News Service**



Members of Federation of Wine Merchants Association Karnataka, stage a silent march from City Railway station to Freedom Park in Bengaluru on Monday, demanding amendment to Excise Act. DH PHOTO



## रेलवे की छोटे व्यावसायियों को प्रोत्साहित करने की योजना

**नई दिल्ली:** सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों (एमएसई) को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे ने 358 वस्तुओं की खरीद को केवल इसी प्रकार के उद्योगों से करने के लिए आरक्षित कर दिया है। इनमें साफ-सफाई का सामान, स्टेशनरी और चमड़े के उत्पाद शामिल हैं। इसके अलावा रेलवे की निविदाओं में आवेदन के लिए इस प्रकार के उद्योगों को निविदा की लागत और आरक्षित राशि जमा कराए जाने से भी छूट प्रदान कर दी गई है। रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यद्यपि निविदा के सभी प्रकारों में आरक्षित राशि जमा कराने की जरूरत होती है, लेकिन हमने छोटे उद्योगों को निविदा दस्तावेजों के साथ इसे (आरक्षित राशि) जमा कराने से छूट देने का निर्णय किया है। उल्लेखनीय है कि देश के आर्थिक विकास और संगठित अर्थव्यवस्था को सहायता देने के लिए छोटे उद्योगों की वृद्धि महत्वपूर्ण है। रेलवे के सरकारी खरीद पोर्टल पर अभी कुल 9,973 एमएसई आपूर्तिकर्ता पंजीकृत हैं।

## Rlys adopt new appraisal system for GMs

EXPRESS NEWS SERVICE  
© New Delhi

Hoping to bring in a dynamic and rewarding system for senior railway officials to perform consistently, the Railway Ministry has now decided to adopt a comprehensive appraisal system for appointing general managers in 17 railways zones.

The new system will ensure transparency in the evaluation of work of candidates appointed to GM posts or other top posts in railway board.

Under the new system, a wider departmental promotion committee will assess a candidate based on his/her entire career rather than just depending on reports submitted by seniors in form of annual confidential report (ACR).

“Earlier, the confidential report column had four-five different kinds of eligibility criteria that a candidate is suitable for following things, thus leaving other aspects. Now that part has been done away with, the departmental promotion committee will make an assessment and will decide appointments based on that,” said a senior officer in Railway Board.

The new system was necessitated as it was found that certain officers not having interest or ability were appointed to top posts. Railway hopes that the present system will ensure a transparent method of appointment.

The new system was necessitated as it was found that certain officers not having interest or ability were appointed to top posts. Railway hopes that the present system will ensure a transparent method of appointment.

The new system was necessitated as it was found that certain officers not having interest or ability were appointed to top posts. Railway hopes that the present system will ensure a transparent method of appointment.

राजस्थान पत्रिका/बेंगलूर  
RAJASTHAN PATRIKA/BANGALORE 11 JUL 2017

पहल...

## एमएसई को बढ़ावा देने के लिए रेलवे की विशेष स्कीम

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

**नई दिल्ली:** सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों (एमएसई) को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे ने 358 वस्तुओं की खरीद को केवल इसी प्रकार के उद्योगों से करने के लिए आरक्षित कर दिया है। इनमें साफ-सफाई का सामान, स्टेशनरी और चमड़े के उत्पाद शामिल हैं। इसके अलावा रेलवे की निविदाओं में आवेदन के लिए इस प्रकार के उद्योगों को निविदा की लागत और आरक्षित राशि जमा कराए जाने से भी छूट प्रदान कर दी गई है।

रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार निविदा के



सभी प्रकारों में आरक्षित राशि जमा कराने की जरूरत होती है, लेकिन हमने छोटे उद्योगों को निविदा दस्तावेजों के साथ इसे (आरक्षित राशि) जमा कराने से छूट देने का निर्णय किया है।

रेलवे के सरकारी खरीद पोर्टल पर अभी कुल 9,973 एमएसई आपूर्तिकर्ता पंजीकृत हैं। रेलवे हर साल करीब 4,400 करोड़ की खरीद करता है।

टाइम्स ऑफ इंडिया/बेंगलूर  
THE TIMES OF INDIA/BANGALORE  
11 JUL 2017

## No family planning allowance for govt staff

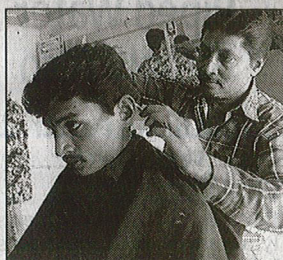
**New Delhi:** Central government employees will no longer get the family-planning allowance and the cabinet secretary his monthly entertainment allocation. Also gone are the diet, haircutting and 'soap toilet' allowances given to select categories of employees.

With the government accepting many of the recommendations of the Committee on Allowances (CoA), headed by finance secretary Ashok Lavasa, a raft of

grants and allocations made to various sections of government employees have been done away with or revised, an official said.

Funeral and cycles allowances have been retained and revised. The decision on revising the allowances was approved at a meeting of the Union cabinet, headed by Prime Minister Narendra Modi, on June 28 and formal orders were issued on July 6.

The CoA referred to the



Centre has also done away with haircut allowance given to select categories of employees

seventh central pay commission's report, which had examined 196 allowances given to different categories of central government em-

its report on April 27 after which the the government decided to accept its recommendations with 34 modifications.

Giving details, an official said an entertainment allowance of Rs 10,000 per month granted to the cabinet secretary, the country's top bureaucrat, to entertain distinguished visitors has been abolished. The 'secret' allowance given to officers working in the Cabinet Secretariat has also been done away with. This is granted for dealing with top secret papers and performing sensitive duties. It is paid as a flat sum per month based on the post held by the



## प्लेटफार्म बदलने से थी नाराजगी

# यात्रियों ने एक घंटे तक स्टेशन पर रोकी डक्कन क्वीन एक्सप्रेस

पुणे. पुणे रेलवे स्टेशन पर यात्रियों ने सोमवार सुबह मुंबई जाने वाली डक्कन क्वीन एक्सप्रेस ट्रेन एक घंटे तक रोक दी। इससे कामकाज के लिए मुंबई जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

इस ट्रेन से हर रोज हजारों लोग सफर करते हैं, लेकिन पिछले कुछ महीनों से ट्रेन का प्लेटफार्म बदलने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता था, इसलिए स्टेशन पर ट्रेन रोककर आंदोलन किया।

## शिकायत पर नहीं हुई सुनवाई...

डक्कन क्वीन एक्सप्रेस हर रोज सुबह 7.15 बजे पुणे से मुंबई के लिए निकलती है। लेकिन सोमवार यात्रियों द्वारा ट्रेन रोके जाने से ट्रेन 8 बजे रवाना हुई। हजारों लोग हर रोज मुंबई में जॉब के लिए इस ट्रेन से सफर करते हैं। पिछले 6 महीनों से यह एक्सप्रेस ट्रेन प्लेटफार्म नंबर 1 की बजाय 6 से रवाना हो रही थी। इससे मुंबई जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता था, इस बारे में रेलवे प्रशासन से कई बार शिकायत भी की गई थी। रेलवे पैसेंजर्स संगठन की प्रमुख हर्षा शाह के मुताबिक, पैसेंजर्स द्वारा की गई शिकायत पर रेलवे प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया इसलिए उन्हें ट्रेन रोकनी पड़ी।

## ಪುಣೆ-ಬಳ್ಳಾರಿ ನಡುವೆ ರೈಲು ಸಂಚಾರ ಆರಂಭಿಸಿ

ಬಳ್ಳಾರಿ ಹಾಗೂ ಕೊಪ್ಪಳದ ಸುತ್ತಮುತ್ತ ಬೃಹತ್ ಉಕ್ಕು, ಸಿಮೆಂಟ್, ಉಷ್ಣ ವಿದ್ಯುತ್ ಸ್ಥಾವರಗಳಿವೆ. ಇವಷ್ಟೇ ಅಲ್ಲದೆ ವಿಶ್ವವಿಖ್ಯಾತ ಹಂಪಿ, ಆನೆಗೊಂದಿ, ಬಾದಾಮಿ, ಐಹೊಳೆ, ಪಟ್ಟದಕಲ್ಲು, ಗೋಲ್‌ಗುಂಬಜ್ ಇತ್ಯಾದಿ ಪ್ರಮುಖ ಪ್ರವಾಸಿ ತಾಣಗಳು ಬಳ್ಳಾರಿ, ಕೊಪ್ಪಳ, ಬಾಗಲಕೋಟೆ, ವಿಜಯಪುರ ಜಿಲ್ಲೆಯಲ್ಲಿವೆ. ಪುಣೆ, ಪಿಂಪಿ, ಚಿಂಚವಾಡ, ಸೊಲಾಪುರ ಜಿಲ್ಲೆಗಳಲ್ಲಿ ಸಾಕಷ್ಟು ಆಟೋ ತಾಂತ್ರಿಕ ವಸ್ತು ಹಾಗೂ ಅದರ ಬಡ್ತಿಭಾಗಗಳ ಉತ್ಪಾದನಾ ಕಾರ್ಖಾನೆಗಳಿವೆ. ಇವುಗಳನ್ನು ಖರೀದಿಸಲು ಈ ಭಾಗದ ಸಣ್ಣ-ಪುಟ್ಟ ಕಾರ್ಮಿಕರು, ಉದ್ಯಮಿಗಳು ಅಲ್ಲಿಗೆ ತೆರಳಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ. ಆದರೆ, ಬಳ್ಳಾರಿ, ಕೊಪ್ಪಳದಿಂದ ಸೊಲಾಪುರ, ದಾಂಡ, ಪುಣೆಗೆ ನೇರ ರೈಲು ಸಂಚಾರ ಇಲ್ಲ. ಪುಣೆಯಿಂದ ದಾಂಡ, ಸೊಲಾಪುರ, ಹುಟಗಿ, ವಿಜಯಪುರ, ಬಾಗಲಕೋಟೆ, ಗದಗ, ಕೊಪ್ಪಳ, ಹೊಸಪೇಟೆ, ತೊರಣಗಲ್ಲು ಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಬಳ್ಳಾರಿಗೆ ನಿತ್ಯ ಒಂದು ರೈಲು ಸಂಚಾರ ಆರಂಭಿಸಿದರೆ ಈ ಭಾಗದ ಜನರಿಗೆ ಸಾಕಷ್ಟು ಅನುಕೂಲವಾಗುತ್ತದೆ.

• ಪಿ. ಮುಕೇಶ ಪಿಂಪಿ-ಪುಣೆ